भारतीय विद्यालय डारसेट

हिंदी कार्यपत्रिका - मीरा के पद

कक्षा : X दिनांक :

प्रश्नोत्तर

प्र1.पहले पद में मीरा ने हरि से अपनी पीड़ा हरने की विनती किस प्रकार की है ?

उ1.मीरा ने हरि से अपनी पीड़ा हरने की विनती करते हुए अनेक भक्तों के उदाहरण दिए हैं जिनकी श्रीकृष्ण ने संकट के समय रक्षा की, और उनके दुखों को दूर किया ।वे कहती हैं कि है कृष्ण! आपने चीर बढ़ाकर द्रोपदी की लाज रखी थी, प्रहलाद की रक्षा के लिए नृसिंह का अवतार धारण किया था, डूबते हुए गजराज को बचाया था और हाथी का कष्ट मगरमच्छ को मारकर दूर किया था, इसी प्रकार मैं भी पीड़ित हूँ, मेरी भी पीडा हरो ।

प्र2.दूसरे पद में मीराबाई श्याम की चाकरी क्यों करना चाहती हैं ? स्पष्ट कीजिए ।

उ2.मीरा श्याम की अनन्य भक्त हैं । वे उनकी चाकर बनकर रहना इसलिए चाहती हैं जिससे हर समय अपने प्रिय को निहार सकें,दर्शन कर सकें और उनके निकट रह सकें।

प्र3.मीराबाई ने श्रीकृष्ण के रूप-सौंदर्य का वर्णन कैसे किया है ?

उ3.श्रीकृष्ण के सिर पर मोर मुकुट तथा शरीर पर पीले वस्त्र सुशोभित हो रहे हैं । गले में वैजयंती फूलों की माला शोभायमान है । मुरली की मधुर तान से सबको मोहित करते हुए श्रीकृष्ण वृंदावन में गाएँ चराते हैं । इस प्रकार मीराबाई ने श्रीकृष्ण के सौंदर्य का वर्णन किया है ।

प्र4.मीराबाई की भीषा-शैली पर प्रकाश डालिए ।

उ4.मीराबाई के पदों में राजस्थानी,गुजराती, ब्रज और खड़ी बोली का प्रयोग दिखाई देता है। मीराबाई का जन्म राजस्थान में हुआ था और ब्रज के वृंदावन एवं गुजरात के द्वारिका तक उनकी कर्म-भूमि रही। मीरा की भाषा में नारी हृदय की तरलता, भाव-भक्ति की सरसता और संगीत की मधुरता - इन तीनों के योग से मीरा की भाषा मिश्री जैसी मीठी हो गई है ।प्रत्येक पद भक्ति के माधुर्य गुण और शांत भाव

प्रदर्शित करते हैं।

प्र5.वे श्रीकृष्ण को पाने के लिए क्या-क्या करने को तैयार है ?

उ5. वे श्रीकृष्ण को पाने के लिए निम्नलिखित कार्य करने को तैयार है-

- वे श्रीकृष्ण की चाकरी करना चाहती हैं ।
- वे उनके लिए बाग लगाना चाहती हैं ।
- वे वृंदावन की कुंज गलियों में श्रीकृष्ण की लीलाओं का गायन करना चाहती हैं।
- वे ऊँचे-ऊँचे महल बनाकर उसमें श्रीकृष्ण को रखना चाहती है।
- वे कुसंबी साड़ी पहन कर उनके दर्शन करना चाहती है ।